

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळे.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक

५१६०५२५३ (२५३)

ग्रंथ नाम

प्रल्हाद चरित्र

विषय

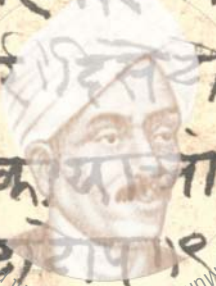
मराठी काव्य.

व्यावनीकोरले शुक्रतशी
लि। दाटतेहु उकोकानन
भीली॥ जेधेवक्ष बहुपक्क
फळचो। प्रांततफीरसैतेआ
चलाचो।। मोक्षयाश्र
मेवळघुनीसमळांतरस्ते।।
तोडिफळवनीगतजग
दुस्तेमवोदी। भारिचतुरतेउं
तरुनीभुमो॥ भेटीनीघेनये
नीपाहेनतोनीभुमो॥६॥
आरीया। सुक्तिचाआनुभ॥

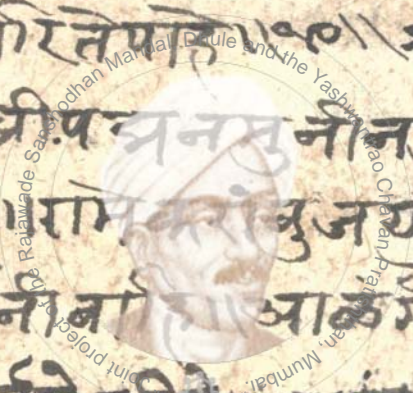


॥ दाने सांचे वेदी नीचे मन
॥ लोसो ॥ ४ ॥ सत्य गती पथ टा
॥ की वदनी सध्दोष रामाना
॥ माचा ॥ भावची कारण रामी
॥ तेलो के टेल रामने माचा
॥ ५ ॥ शुधीत आतर धुनाये
॥ कि तौ सीख मन त कल्पना
॥ आली ॥ पक्क फळे आली वे
॥ कुनी वदी रे रक्ष्याची यात
॥ की आली ॥ ६ ॥ श्लोक ॥

१) तीनुमु र पा टि व रि ग र ज जी वा ॥
 (३)
 २) क्षे अ सा वि लो कु नि व धु धा ॥
 ३) वै ज सी बा व रि ॥ ६ ॥ उ रा रि य ॥
 ४) ध नु ष्य ग र क र क म की दी र्घ
 ज य चा री र ॥ दि त टा प ॥ व ल्क
 ५) ल व र्ण ति क य गी क व च
 ॥ आ सा र व द ॥ य प ॥ १ ॥ श्लोक ॥
 ६) दे खो नी डो क ॥ रु त द य आ भे रा
 ७) मा ॥ रा मा पु टे धा व त लु ष् क मा
 ८) पु षा ग जा ली ख सु खे भ जा य
 ९) सा षा ग वं दी र द्यु रा ज पा य ॥



॥ श्रीराम ॥ सितवल्लभ ॥
 ॥ शब्दीनेत्री आशारिती पाह
 ॥ वंदी पादसरोजेन यनी श्री
 ॥ रावना रिती पाहे ॥ १० ॥ श्लोक
 ॥ रामा श्रीपद्मनसुर्नानुटेची
 ॥ काहि ॥ राम करं बुज युगीउ
 ॥ चलनी बा ॥ आळंगोळी ॥
 ॥ सहुईको वरिते ॥ अमंदले ॥
 ॥ मरनाये व्वा वरिते ॥ ११ ॥ बहु ॥
 ॥ हीससीरा घवामुभुकला ॥ तुवा ॥
 ॥ पाहीजे मापूळ हारवूला ॥ तुवा ॥



ॐ

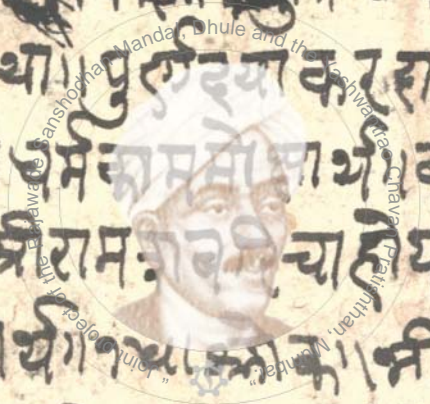
(5)

५१६५५ २५२

॥ कृपाळा ॥ मी क... सी... ॥
 ॥ नडाकृपाळा ॥ आपु... चाड
 ॥ नीशुधदाते ॥ चाखुनी घमी
 ॥ रिसःप्रदाते ॥ अरि या
 ॥ आवघीगोड आसवी प्रास्त
 ॥ वमीवार्च... ता ॥ वाई ट
 ॥ कावुज आ... जो श्रीराम
 ॥ वंअवे दाते ॥ श्लोक
 ॥ मधुरत रफळाची पुर्ण घने
 ॥ नीगोडि ॥ मग मज रघुना
 ॥ देवीता हाये खाडि ॥



॥ निरखुनीरघुराजेभाव
 ॥ त्याभीलूटीया ॥ परममनि ॥
 ॥ सुखावेई नौजे ~~ह~~ तटिचा ॥ १५
 ॥ परिथा ॥ पुर्णदया करहासादे ॥
 ॥ नौजे ~~व~~ म कामसो पार्थ ॥ वदीत ॥
 ॥ तया श्रीराम शव ~~न~~ चा हो घपुर्ण ॥
 ॥ भाकार्य ॥ १५ ~~का~~ ॥ नीली ॥
 ॥ बोलुनि बोल सुदर ~~व~~ रामा ॥
 ॥ करित फळे ॥ चालिने लुनिगा ॥
 ॥ रत्रसि ~~क~~ पुरुषा उचि ~~क~~ देत बळे



॥ प्रेमे प्रीती भरे प्रसन्न हृदये ॥
॥ ह्यो भवा चा पीता ॥ अस्ताराम ॥
॥ रामा पतिनिज सुखीजा ला फळा
॥ अर्पिता ॥ १७५ ॥ अरिथा ॥ पाहुनि ॥
॥ भावति यचा चोर आवधी सी ॥
॥ कासनिरी झला ॥ प्रसन्न सुखी ॥
॥ सी बौले ईश्वर वरमागजौ हा ॥
॥ वा तुजला ॥ १७५ ॥ श्रीक ॥ सेवी ॥
॥ तावन फुले मन धाले ॥ लोकना ॥
॥ यक हाजे सुखजाले ॥ प्रेमना ॥

॥ मङ्गल ईश्वर आले ॥ तोषे वास्य म
॥ आपनि घाले ॥ १० ॥ अरि या ॥
॥ त्या मित्रु भुवन जन करामानप ॥
॥ जाई योग तव चेरणी ॥ करणी अ ॥
॥ नुकचा लावी पारजा दामी अच ॥
॥ रणी ॥ १० ॥ प्रभावा सचें द्रवी भु ॥
॥ आचेर एका ती ॥ अरु नि विनठली ॥
॥ चेर एका सी ॥ वंही ता बहु सुखे ॥
॥ जीव दुते ॥ बाष्प के चर ए पाल्लव ॥
॥ धुते ॥ १० ॥ आळगीली पुनरपी ॥
॥ प्रसादा किराती ॥ जिंठें तदि संत ॥

(7A)

॥ तपितित ही सरा ती ॥ वाचे स ग्द ॥

॥ इव हे जय रा म राम ॥ रा मा व नी ॥

॥ अ म सी ठ कु नि दे न धा मा ॥ १९ ॥

॥ अ रिया ॥ श क् वे से न ब रि चे दे ॥

॥ कु नि श्री रा म प धा प त्रा क्षे ॥ व र ॥

॥ दो त न म ग ब ल ह र ई उ ज लु नी ॥

॥ धा र्पा ल ह ॥ २ ॥ श्री का ये री ॥

॥ ह ले म ज तु ज विये ग न क्वा वा ॥

॥ रू पी तु स्त्रे षा द्रु ट अ से न मा हा तु भा ॥

॥ वा ॥ स्या मि ह ले तु ज वी यो श्र व् च्यी

॥ नवाठे ॥ जासे वटि मीळ सिची
 ॥ नये राज बठे ॥ अरिया ॥ कमी ॥
 ॥ ता भक्ति पथाते माही सहसा वी ॥
 ॥ योगवोतुजला ॥ अखडे कथानु ॥
 ॥ रामो भावे स्मरतु रक्षयातरिम ॥
 ॥ जला ॥ ११ ॥ कर्तव्यता व ॥
 ॥ रतयारचुनयेको ॥ जाली कुता ॥
 ॥ थका बरि परी लौनिकाने ॥ अनं ॥
 ॥ इलीमगयेथा स्छीतनी वे पथाते ॥
 ॥ अनरनर ह्मके परिसा कथाते ॥ अ ॥
 ॥ अरिया ॥ वरुवाके का बरिनखे ॥

॥ कुनिराजाधिराजरा माचे ॥ इच्छि ॥

॥ तसार्गगुली स्मरता पहरामपुष्पी ॥

॥ कामाचे ॥ २० ॥ साधुजन पदसेव ॥

॥ वृषार्या छेद प्रतिबदे वाचे ॥

॥ अस्मान्मल्लसे मरुलाहे कौतु ॥

॥ कार्थदे वाचे ॥ २१ ॥ सपुर्णमस्तु ॥

॥ शु ॥ शु ॥ शु ॥ शु ॥ शु ॥ शु ॥ शु ॥



॥ प्रह्लादचरित्र प्रारम्भ ॥

॥ जनस्थानीनां देदिज्यवर
 ॥ सदात्री बभूवुवी ॥ ते या ने हे के
 ॥ लि सुरस मनीता पधु तन
 ॥ वि ॥ कथं कायेती दी जवर
 ॥ द सु ख र्ति ॥ त रात्वा वा छा
 ॥ वी आर्गनी न वर साची सी
 ॥ ख रणी ॥ ॥ जगी दे श्री हान ॥
 ॥ त प क र ति हे वा सी छे छि छे ॥
 ॥ प्र ता पे र यु च प र म ग ति सा ॥



Project of Jawar Shiksha Mandal, Dhule and the Government of Maharashtra
 Digitized by eGangotri

॥ मार्ये खी ली ले ॥ न सी न्हा ॥
 ॥ ये रूप कून क क शी पा ला गी ॥
 ॥ ली ल ॥ न या प्र ल्हा र्हा ने ॥
 ॥ श्री भु व ल्हा मा हा भा ग्य फ ल्हा ॥
 ॥ ले ॥ भा क या च चे पा टि सु ॥
 ॥ म ति सु त ज ल्हा गु ड्य नि धी ॥
 ॥ त या ला दे र्हु नि ज न क सु ख ॥
 ॥ मानी नी र व ही ॥ ह ल्हा या च ॥
 ॥ ची न्हे स क ल्हा दी स ति सु र र ॥
 ॥ ब रि ॥ ब रा सो हा ही र्हा सु ब ॥



॥ सुरकुलियादिपकघरि ॥ ३ ॥
 ॥ गृहामधे गगें मधुर्वचन ॥
 ॥ बोलत आसे ॥ मुळा मधे स्व ॥
 ॥ लै उरनु भवर से डोलत आसे ॥
 ॥ भुके लामा घे ना वा ज्ञान जनी ॥
 ॥ लानी ज सुखा नावा लामा घु ॥
 ॥ चे वचेन परि सो निज सुखे ॥ ४ ॥
 ॥ सुखी प्रव्हादाच्या नर हरि विना ॥
 ॥ अन्त न सुचे ॥ सुखी गोवी हा ॥
 ॥ चे स्मरण हरिचे कीर्तन रचे ॥



॥ कुमाराच्या बोले उपनयन सं
 ॥ स्कार बरवे ॥ जगीशुक्राच्या
 ॥ या गुरु से देयात मी रवे ॥ ५ ॥
 ॥ पित्ताने घेव्या या गुरु सह
 ॥ नीजानुन वीहले ॥ गुरुने वा
 ॥ नामाली हुवा जलयासी
 ॥ पहिले गस ॥ त जे ली तै नी
 ॥ गमत रचे बी जले ॥ हले ॥
 ॥ नमः सीधा बुध्या नमन गुरु व ॥
 ॥ ध्यासी पहिले ॥ ६ ॥ नमः सीधा

॥ बुधाः नमनं गुरु रघासीक
 ॥ किले करितो ॥ प्रसादे मीया
 ॥ च्या हृदई ज्ञानु रघासीधीरे
 ॥ तो ॥ असो ज्ञाने पाई ज्ञानक
 ॥ मतीमा सी ज्ञानक सी ॥ ज्ञाना
 ॥ की गोपाक नमन बुक ना ले
 ॥ वौ हन तुक ॥ ॥ उरु प्रण
 ॥ ती पाचे चीरले आसुराघान
 ॥ क जसे ॥ आशाया संसारि
 ॥ जी भुवनी दुजा ले करु न से



- ॥ दटाउनी सांगे वदनी न घणा
 ॥ वे नर हीरे ॥ आशा घे दे वे उया
 ॥ करिती लसुनला ता उलाघ
 ॥ रि ॥ ८ ॥ गुरु स्व व क्य ला पीर
 ॥ सुनी फुठे आपन न दे ॥ हणे
 ॥ या मुखी चै रघ पती मला सं
 ॥ गत न दे ॥ चर गला रगे ब
 ॥ हुत आप मा नु न गुरु ला ॥ म
 ॥ नाम घे ची ती सुमन सु फु ल
 म कल्यतर ला ॥ ९ ॥



॥ कुकी जाची स्मरण हारिचे
॥ कीर्ति न सदा ॥ तया लावू त्या
॥ तीवी पळ नमी कोमं
॥ गळ नदा ॥ पीन्याने त्या
॥ बाळा मळ कुकी नीजां
॥ कीवसनी लेप हलगे ज
॥ कदा तुज बहु न कोणे र
॥ सनीले ॥ १० ॥ उरु शुभा
॥ च्या र्थी मज बहु न तो दा
॥ पीत आसे ॥ तया हे दोघे
॥ कुमर दीसती मळ वळ धले

॥ आशा-च्या-हा-बाधा-न
 ॥ धर्ती-जनते-अं-गळ-पी-से
 ॥ गुरु-ते-सा-ज्या-चा-श्री-हित
 ॥ अंध-व्या-ला-गी-नदी-से
 ॥ १११ ॥ अं-न-ता-श्री-का-ता-ह
 ॥ दई-भा-वं-ता-न-परी-॥ ॥ बे
 ॥ था-श्री-की-न-ता-कु-च
 ॥ कल-दु-इ-ना-लु-न-नी-जती
 ॥ गुण-ती-ता-सी-ता-पती-चर
 ॥ ण-प-सी-नर-मती-॥ आ-स
 ॥ हे-या-गो-व-गुरु-ती-रि-दुर-स



Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com